

चामीकराचल, (चामीकराद्रि) पुं. (तत्.) सुमेरु पर्वत।

चामुंडा स्त्री. (तत्.) शुभ-निशुभ के सेनापतियों चंड और मुंड नाम के दो राक्षसों का वध करने वाली देवी दुर्गा के एक रूप का नाम।

चाय स्त्री. (देश.) 1. प्रायः दो से चार हाथ तक ऊँचा (लंबा) एक पौधा जिसकी पत्तियों को उबालकर स्वादिष्ट पेय के रूप में लगभग पूरे विश्व में पिया जाता है 2. चाय पत्ती डालकर उबाला हुआ पानी, चाय का काढ़ा 3. दूध तथा चीनी मिश्रित चाय का उबला पानी, दूध या चीनी रहित चाय का गर्म पानी।

चायक पुं. (तत्.) 1. चाहने वाला व्यक्ति, प्रेम करने वाला व्यक्ति, प्रेमीजन।

चायदान पुं. (देश.) 1. वह बर्तन जिसमें चाय उबाली जाती है अथवा चाय बना या तैयार कर रखी जाती है 2. केतली।

चार वि. (तद्.) गिनती में तीन से एक ज्यादा, दो और दो चार मुहा. चार-पाँच करना- इधर-उधर की बातें करना, हुज्जत, तकरार, कई, बहुत से; चार मगज- चार वस्तुएँ, खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूज के बीजों का समूह; आँखें चार होना- आँखें मिलाना, देखादेखी होना, भेंट या साक्षात्कार होना, होशियार या चतुर बन जाना; चार चाँद लगाना- चौगुनी प्रतिष्ठा बढ़ जाना, चौगुनी शोभा बढ़ जाना; चारों आँख फूटना- मति मारी जाना, बुद्धि खराब होना; चार आदमी- 'कई लोग', 'समाज के लोग'; चार-दिन की चाँदनी- थोड़ा समय, 'थोड़े दिनों की बात'; चार पैसे- कुछ धन उदा. "आजकल जिसके पास चार पैसे हैं उसी को सभी पूछते हैं, बाकी को नहीं" पुं. (तद्.) 1. चार का अंक, चार की संख्या 2. गति, चाल, गमन 3. बंधन, कारागार 4. गुप्तदूत, गुप्तचर, जासूस 5. दास 6. चिरौंजी दाना, चिरौंजी का पेड़ 7. कृत्रिम विष 8. आचार, रीति यथा द्वार-चार।

चारक पुं. (तत्.) 1. गाय-भैंस चराने वाला व्यक्ति, चरवाहा, ग्वाला 2. चलाने या संचालन करने वाला व्यक्ति, संचारक आदमी 3. गति, चाल 4. चिरौंजी का पेड़ 5. कारागार 6. गुप्तचर, जासूस

7. सहचर (साथ चलने वाला आदमी) 8. अश्वारोही व्यक्ति 9. परिभ्रमण कर्ता या घूमने वाला ब्रह्मचारी व्यक्ति 10. मनुष्य 11 चरक द्वारा निर्मित ग्रंथ, प्रयो./मुहा. "चार-एक" थोड़े अर्थात् कम।

चारखाना पुं. (फा.) परस्पर असमान दिशाओं में खिंची हुई रंगीन धारियों वाला कपड़ा।

चारचक्षु पुं. (तत्.) वह व्यक्ति जो दूरों के माध्यम से ही सारी जानकारी प्राप्त करता हो, 'राजा' 2. गुप्तचरों द्वारा प्रजा पर निगरानी रखने वाला व्यक्ति- 'नृप'।

चारचश्म वि. (फा.) नमकहराम, निर्लज्ज, कृतघ्न।

चारज पुं. (अं.) कार्यभार; काम की जिम्मेदारी, चार्ज, उत्तरादित्व charge

चारज देना स.क्रि. (अं.+तद्.) किसी काम या पद को छोड़ते समय उसका दायित्व अपने स्थान पर नियुक्त व्यक्ति को सहेज कर देना या सौंपना।

चारज लेना पुं. (तत्.) किसी कार्यभार को उससे अलग होने वाले व्यक्ति से सहेज कर लेना 2. सुपुर्दगी 3. निगरानी 4. रक्षा का भार।

चारजामा पुं. (फा.) चमड़े या कपड़े का बना हुआ बिछावन (बिछौना) जिसे घोड़े की पीठ पर कस कर सवारी करते हैं, जीन, काठी, गद्दी पलान।

चारटिका स्त्री. (तत्.) नली नामक गंध द्रव्य।

चारण पुं. (तत्.) राजवंश की कीर्ति गायन करने वाला व्यक्ति; कीर्तिगायक, भाट, बंदीजन 2. राजस्थान की एक जाति 3. भ्रमणकारी।

चारण विद्या स्त्री. (तत्.) अथर्ववेद का एक अंश।

चार दिन पुं. (तद्.) थोड़े दिन।

चार धाम पुं. (तद्.) हिंदुओं के चार प्रमुख तीर्थों का सामूहिक नाम, बदरिकाश्रम (बद्रीनाथ) 2. जगन्नाथ पुरी 3. रामेश्वरम् 4. द्वारका।

चारपाई स्त्री. (देश.) खाट, छोटा पलंग, खटिया मुहा. चारपाई पर पड़ना/पकड़ना- रोगग्रस्त होना, बीमार हो जाना।